कोटद्वार, बुधवार
11 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 282 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गुलदार ने व्यक्ति को बनाया निवाला, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती सोमवार देर सांय को घुड़दौड़ी के ग्राम पंचायत जामला के चिवालु गांव में गुलदार ने एक व्यक्ति को निवाला बना लिया। हमले के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार घटना बीते सोमवार शाम करीब साढ़े छः बजे की बताई जा रही है। पौड़ी मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत जामला के चिवालु गांव निवासी प्रकाश लाल (47) इंटरलॉकिंग का कार्य करके शाम को घर लौट रहा था। रात भर वह घर नहीं लौटा, जिससे परिजन उसकी खोजबीन में जुट गए। सुबह झाड़ियों में उसकी लाश मिली और ग्रामीणों का अनुमान है कि उसे गुलदार ने मार डाला। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसीलदार, पटवारी समेत वन विभाग के 15 कर्मचारियों को पंचायत घर में बंधक बना दिया। ग्रामीणों ने गुलदार को मारने की मांग उठाई है।

ज्योर्तिमठ में झमाझम बारिश व ओलावृष्टि

चमोली। चमोली जनपद में मंगलवार को मौसम ने करवट बदली और दोपहर बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश हुई। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई जिससे मौसम में ठंडक आ गई है। जनपद के निचले क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलीं। विगत कई दिनों से बारिश न होने के कारण तापमान में बढ़ोतरी होने से गरमी का एहसास होने लगा था।

मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। ज्योतिर्मठ क्षेत्र में दोपहर बाद बारिश हुई। औली और परसारी में करीब पंद्रह मिनट तक ओलावृष्टि भी हुई जबकि निचले क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए रहे। बारिश होने पर काश्तकारों ने राहत की सांस ली। यह बारिश जौ, गेहूं और मटर की फसलों के लिए फायदेमंद होगी। इधर नंदानगर, गोपेश्वर, पीपलकोटी, पोखरी क्षेत्र में आसमान में बादल छाए रहे।

बदरीनाथ धाम की चोटियों और हेमकुंड में हुई बर्फबारी : मंगलवार को दोपहर बाद बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों के साथ ही हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, नंदा घुंघटी, नीती और माणा घाटी के गांवों में हल्की बर्फबारी हुई। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में देर शाम तक भी मौसम खराब रहा जिससे देर रात को फिर बर्फबारी की संभावना है।

बदलता रहा मौसमः कर्णप्रयाग। मंगलवार को दिनभर मौसम बदलता रहा। सुबह होते ही आसमान में हल्के बादल छाए रहे लेकिन दोपहर में धूप खिल गई। अपराह्न तीन बजे के बाद फिर मौसम ने करवट बदली और बादल छा गए। ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की ठंडी हवाएं भी चलीं।

राम पर्वत पर लगी आग तीन दिन बाद बुझी

चमोली। नगर के पास राम पर्वत पर तीन दिन से लगी आग को वन विभाग की टीम ने बुझा दिया है। हालांकि प्रभावित क्षेत्र में अभी तक धुआं उठ रहा है। आग से राम पर्वत का अधिकांश हिस्सा जल चुका है और पूरी पहाड़ी काली नजर आ रही है। शनिवार देर रात को पीपलकोटी के ठीक सामने राम पर्वत पर किसी अराजक तत्व ने आग लगा दी। रात होने के कारण वन कर्मी मौके पर नहीं पहुंच पाए। उसके बाद रविवार तक आग पहाड़ी के बड़े हिस्से में फैल गई। देर शाम जंगल की आग सीआईएसएफ के कार्यालय और एचसीसी कंपनी के अस्त्र–शस्त्र रखने के भंडार (एमुनेशन भंडार) के पास पहुंच गई थी। इससे वहां अफरा तफरी की स्थिति हो गई। गोपेश्वर से अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को कार्यालय व भंडार तक आने से रोक दिया। वहीं जिस क्षेत्र में आग लगी है वह वन पंचायत के अंतर्गत आता है।

केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग की गोपेश्वर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी भरत सिंह नेगी ने बताया कि आरक्षित वन क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही वन कर्मियों ने आग को बुझा दिया है। कुछ ठूंठ हैं जिनसे धुआं उठ रहा है। आग अब काबू कर ली गई है।

अग्निवीरों के भविष्य की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी : सीएम

मुख्यमंत्री ने भराड़ीसैंण में अग्निवीर कैडेट्स से किया संवाद , वर्दीधारी पदों में अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को भराड़ीसैंण में अग्निवीर सैनिकों के रूप में भर्ती होने वाले कैडेट्स के साथ संवाद किया। संवाद के दौरान कैडेट्स ने मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका मुख्यमंत्री ने सहजता से उत्तर दिया। संवाद के दौरान शंकर सिंह राणा ने मुख्यमंत्री से पूछा कि सैनिक पुत्र होने के कारण आपने सैनिकों के जीवन और गतिविधियों को नजदीक से देखा है, क्या आपका मन सेना में जाने का नहीं हुआ? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना में जाना अन्य सेवाओं की अपेक्षा अत्यंत सम्माननीय माना जाता है। उन्होंने कहा कि वे अपने जीवन को भी एक सैनिक के जीवन की तरह अनुशासित और समर्पित मानकर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने पिताजी के साथ रहते हुए उन्होंने सेना के अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को करीब से देखा है। जिस प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ हमारे सैनिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, उसी भावना से वे प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में उत्तराखण्ड की देवतुल्य जनता की सेवा करने का प्रयास करते हैं।

हिमांशु रौतेला ने प्रश्न किया कि प्रदेश के मुखिया होने के नाते आप अपने परिवार को कैसे समय दे पाते हैं? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई व्यक्ति राजनीतिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय होता है तो उसकी जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में प्रदेश के सभी लोग उनका परिवार हैं और सभी गांव उनके अपने गांव हैं।

ओ.पी. कण्डारी ने पूछा कि जब हम अग्निवीर के रूप में अपनी सेवा पूरी कर वापस आएंगे, उसके बाद सरकार हमारे रोजगार के लिए क्या व्यवस्था कर रही है? मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्दीधारी पदों पर अग्निवीरों के लिए 10

प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार द्वारा भी अनेक क्षेत्रों में अग्निवीरों को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर अग्निवीर के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

रितेश पंवार ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपकी पहचान ह्यधाकड़ धामीह्न के रूप में क्यों बनी? मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि का व्यवहार जनता के साथ सदैव सौम्य होना चाहिए। हालांकि राज्यहित और जनहित में कई बार कठोर और साहसिक निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है तथा दंगा रोधी कानून भी लागू किया गया है। पिछले चार वर्षों में राज्य सरकार ने जन अपेक्षाओं और प्रदेशहित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

अमन सेमवाल ने पूछा कि आपके चेहरे पर हमेशा मुस्कान का क्या राज है? मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्य करने की ऊर्जा और प्रेरणा प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार जन अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदेश के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आज अनेक क्षेत्रों में उत्तराखण्ड देश में अग्रणी स्थान पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनभावनाओं के अनुरूप राज्य के विकास को नई गति देने के लिए पूरे संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस अवसर पर अग्निवीरों और पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सैनिक सीमांत और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में देश की सेवा करते हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड की विशेषता है कि यहां लगभग हर परिवार से कोई न कोई सदस्य सेना या अर्द्धसैन्य बलों में सेवाएं दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। रक्षा क्षेत्र में भारत का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है और भारतीय सेना वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और सक्षम सेना के रूप में स्थापित हुई है। सेना में निरंतर आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सैनिकों और पूर्व सैनिकों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। देहरादून में भव्य सैन्यधाम का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें राज्य के वीर बलिदानियों की गौरवगाथाएं और स्मृतियां संजोई जाएंगी। उन्होंने कहा कि वे पूर्व सैनिकों को अपने अभिभावक के रूप में देखते हैं।

इस अवसर पर यूथ फाउंडेशन के संस्थापक कर्नल अजय कोठियाल (सेनि.), पूर्व सैनिकगण तथा अग्निवीर उपस्थित थे।

पूर्व उपनल कर्मियों के लिए सरकार का तोहफा

समान कार्य समान वेतन के लिए 289.98 करोड़ की व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में पूर्व उपनल कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट में इस मद के लिए 289 करोड़ 98 लाख 29 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों और श्रमिकों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। कहा कि पूर्व उपनल कर्मियों ने विभिन्न विभागों में लंबे समय तक महत्वपूर्ण सेवाएं दी हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने समान कार्य के लिए समान वेतन की व्यवस्था को लागू करने हेतु बजट में पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय सरकार की समावेशी और संवेदनशील शासन व्यवस्था का प्रतीक है। सरकार लगातार कर्मचारियों के कल्याण, प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और प्रदेश में पारदर्शी व उत्तरदायी शासन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से पूर्व उपनल कर्मियों को राहत मिलेगी और वे अधिक उत्साह के साथ राज्य के विकास में योगदान दे सकेंगे।

लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव पेश, चर्चा के लिए 10 घंटे तय

नई दिल्ली ,लोकसभा में मंगलवार को उस समय जोरदार बहस छिड़ गई जब कांग्रेस ने स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव के पेश होते ही सदन में प्रक्रिया और नियमों को लेकर तीखी नोकझोंक देखने को मिली और आखिरकार सदन ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति दे दी। इस मुद्दे पर 10 घंटे की बहस तय की गई। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने औपचारिक रूप से यह प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव पर 118 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर हैं। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ने सदन की कार्यवाही के दौरान 'पक्षपातपूर्ण रवैयाझ् अपनाया है। विपक्ष का कहना है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी गई, जिसे लेकर असंतोष बढ़ा। प्रस्ताव पेश होने के बाद सदन में एक नया विवाद खड़ा हो गया। सवाल यह उठा कि जब स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन है, तब सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा। उस समय सदन की कार्यवाही जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में चल रही थी। इस मुद्दे पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया। ओवैसी ने संसदीय नियमों का हवाला देते हुए कहा कि जब स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव चर्चा में हो, तो स्पीकर या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को कार्यवाही नहीं चलानी चाहिए। ओवैसी ने यह भी कहा कि अभी तक लोकसभा में उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) की नियुक्ति नहीं हुई है। ऐसे में जो सदस्य चेयर पर बैठे हैं, उन्हें स्पीकर की स्वीकृति से ही नामित किया गया है। इसलिए उनके द्वारा इस प्रस्ताव पर चर्चा कराना उचित नहीं होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि बहस शुरू होने से पहले सदन को इस बात पर सहमति बनानी चाहिए कि कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा। इस पर भाजपा की ओर से जवाब भी सामने आया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि संसदीय नियमों के अनुसार चेयर पर बैठा कोई भी सदस्य स्पीकर के समान अधिकारों का प्रयोग करते हुए कार्यवाही चला सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की बात का समर्थन किया और कहा कि नियम स्पष्ट रूप से चेयर को यह अधिकार देते हैं।

शादी समारोह में जा रहे एक परिवार के 16 लाख के गहने चोरी

देहरादून। शादी समारोह में शामिल होने दिल्ली जा रहे मसूरी के एक परिवार का रास्ते में सामान चोरी हो गया। इस संबंध में मसूरी कोतवाली में तहरीर दी है। सोने–चांदी के करीब 16 लाख के गहने चोरी हो हुए हैं। लंढौर साउथ रोड निवासी प्रमोद कुमार ने कोतवाली में तहरीर दी कि एक मार्च 2026 को अपनी पत्नी व एक अन्य पड़ोसी महिला के साथ विवाह समारोह में शामिल होने दिल्ली जा रहे थे। पड़ोसी महिला उनके साथ मेरठ तक गईं थी। जब दिल्ली पहुंचे तो देखा कि बैग से कपड़े, सोने व चांदी के गहने गायब है। किसी ने बैग खोल कर सामान चुरा लिया। यह घटना मसूरी से देहरादून जाते वक्त होने की आशंका जताई।

चोरी हुए सामान में सोने का नेकलेस, मंगल सूत्र, मांग टीका, दो लेडीस अंगुठी, एक जेंटस अंगूठी, दो सोने की चेन, एक जोड़ी बाली, एक जोड़ी टाप्स, एक जोड़ी बाली, एक ओक पैडुल, चांदी के गहनों में चार चांदी के कड़े, एक अहोई माता की माला, चांदी की कटोरी, चांटी की लुटिया, एक लेडीस तगड़ी, पांच सिक्के, एक चेन, छह जोड़ी बिछवे, एक लक्ष्मी माता की प्रतिमा, दो बच्चों के कड़े, दो जोड़ी पाजेब शामिल हैं। मसूरी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि यह घटना उत्तर प्रदेश के खतौली की है तो उन्हें वहां जाकर तहरीर देनी चाहिए ताकि समय रहते चोरी का पता लगाया जा सके।

मिडिल–ईस्ट में छिड़ी जंग का असर

देश के कई शहरों में गैस की किल्लत, होटल और रेस्टोरेंट ने बंद किए अपने काम

नई दिल्ली ,देश के कई हिस्सों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की अचानक कमी से होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कारोबारों में चिंता बढ़ गई है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो आने वाले दिनों में कई खाने–पीने के प्रतिष्ठान बंद होने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। बेंगलुरु में तो कई होटल और रेस्तरां ने विरोध स्वरूप अपना कामकाज बंद कर दिया है। मुंबई और बेंगलुरु समेत कई शहरों में गैस की कमी का असर अब साफ दिखने लगा है। बताया जा रहा है कि पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और वैश्विक आपूर्ति में आई बाधाओं के कारण एलपीजी की उपलब्धता प्रभावित हुई है, जिससे होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को कुकिंग गैस हासिल करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से एलपीजी कंपनियों को निर्देश दिया है कि फिलहाल 19, 47.5 और 425 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलिंडरों की रिफिलिंग पर रोक लगाई जाए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच प्रोपेन और ब्यूटेन जैसे एलपीजी घटकों के उपयोग पर रोक के चलते पुणे में गैस आधारित श्मशान घाटों को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। रेस्तरां संचालकों का कहना है कि रविवार से कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग बंद हो गई है, जबकि घरेलू सिलिंडर की डिलीवरी भी बुकिंग के बाद दो से आठ दिन तक देरी से मिल रही है। मौजूदा स्टॉक को नियंत्रित करने के लिए तेल कंपनियों ने घरेलू सिलिंडर की बुकिंग के नियम भी कड़े कर दिए हैं। अब उपभोक्ता पिछली डिलीवरी के 21 से 25 दिन बाद ही नया सिलिंडर बुक कर सकते हैं। जमाखोरी और अवैध बिक्री रोकने के लिए डिलीवरी के समय ओटीपी या बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था भी शुरू की गई है। इस बीच पंजाब में 8 मार्च से गैर–घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति रोक दी गई है, जिसमें 19 किलोग्राम के कमर्शियल पैक और बड़े औद्योगिक सिलिंडर शामिल हैं। वितरकों को निर्देश दिया गया है कि 25 दिन से पहले किसी भी रिफिल बुकिंग को स्वीकार न किया जाए।

निर्दोषों को मारा जा रहा है... हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

अफगानिस्तान को लेकर भारत ने यूएन में पाक को सुनाई खरी-खरी

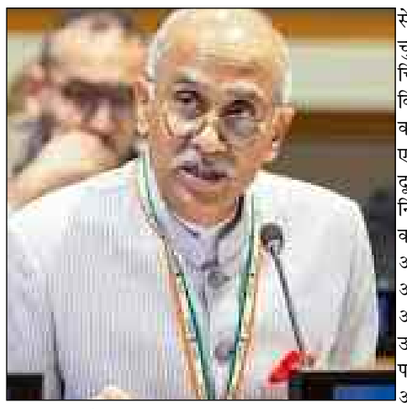

नई दिल्ली ,भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन पर किए गए ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की हालिया रिपोर्ट में सीमा पार सशस्त्र हिंसा के कारण नागरिकों के हताहत होने पर गहरी चिंता जताई गई है। भारत इस चिंता का समर्थन करता है और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय तथा मानवीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने की अपील करता है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारत ने यह भी कहा कि पवित्र रमजान के महीने में हुए इन हमलों में बड़ी संख्या में निदोष नागरिकों की जान गई है। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार 6 मार्च 2026 तक 185 नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें लगभग 55 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इन हमलों के कारण एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। भारत ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि एक ओर अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बात करना और दूसरी ओर रमजान के दौरान निदोष नागरिकों पर हमले करना पूरी तरह पाखंड है। अपने संबोधन में भारत ने अफगानिस्तान के युवाओं और वहां के क्रिकेट के प्रति उत्साह का भी उल्लेख किया। पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आज यदि कोई अफगानिस्तान जाए तो वहां के युवा बड़े उत्साह के साथ क्रिकेट खेलते दिखाई देते हैं। अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम जहां भी खेलती है, वह लोगों का दिल जीत लेती है। भारत ने कहा कि अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम ने हालिया विश्व कप में शानदार प्रदर्शन और जजूबा दिखाया है। इस सफर में भागीदार होने पर भारत को गर्व है और यह देखकर खुशी होती है कि यह टीम कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला रही है।

भारत ने अपने बयान में आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया। पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आईएसआईएल और अल–कायदा जैसे आतंकी संगठनों के साथ–साथ उनके सहयोगी संगठनों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर समन्वित कार्रवाई बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संगठनों और उनके समर्थकों को सीमा पार आतंकवाद फैलाने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी।

दोस्तों संग कोसी नदी में नहाने उतरा युवक, गहरे पानी में डूबने से मौत

अल्मोड़ा। सोमेश्वर क्षेत्र के रनमन के पास कोसी नदी में नहाने के दौरान एक युवक गहरे पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों ने युवक को नदी से बाहर निकालकर निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान गोकुल नेगी (20) पुत्र हेम सिंह, निवासी ग्राम उटिया थाना धौलछीना के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह बीएसएनएल में फाइबर लाइन बिछाने का काम करता था। मंगलवार को वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ रनमन के पास कोसी नदी में नहाने गया था। बताया जा रहा है कि गोकुल नदी में नहाते समय गहरे पानी की ओर चला गया, जबकि उसके अन्य तीन साथी तैरना नही जानते थे और नदी किनारे ही नहा रहे थे। इसी दौरान गोकुल अचानक गहरे पानी में डूबने लगा। साथियों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयासों के बाद युवक को नदी के गहरे पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उसे निजी वाहन से नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

रेंजर्स ग्राउंड में स्लाइडिंग गेट गिरने से दबे सिटी बस चालक की मौत

देहरादून। दून के रेंजर्स ग्राउंड में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। ग्राउंड का भारी–भरकम लोहे का स्लाइडिंग गेट बंद करते समय अचानक एक सिटी बस चालक के ऊपर गिर गया। गेट के नीचे दबने से चालक की मौत हो गई। शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि चुक्खुवाला निवासी रोहित सोनकर ने पुलिस को इस घटना की सूचना दी थी। बताया कि उनकी सिटी बस को जुम्मन गिरी उर्फ बल्ली (44 वर्ष) निवासी बिंदाल पुल के निकट, तिवारी मैटरनिटी हॉस्पिटल के पास स्थित बिंदाल बस्ती चलाता था। सिटी बस को प्रतिदिन रात में रेंजर्स ग्राउंड में ही पार्क करता था। सोमवार रात वह बस खड़ी करने के बाद जब ग्राउंड का लोहे का स्लाइडिंग गेट बंद कर रहा था, तभी गेट ट्रैक से उतरकर सीधे उसके ऊपर आ गिरा। भारी गेट के नीचे दबने से वह बुरी तरह घायल हो गया। तेज आवाज और चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर दौड़े। तुरंत एंबुलेंस की मदद से घायल को दून अस्पताल पहुंचाया। तब तक जुम्मन की सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटाई। मंगलवार को धारा चौकी इंचार्ज संदीप कुमार ने शव का पंचनामा भरा। तब शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया।हादसे पर सिटी बस संचालकों में आक्रोशसरकारी मैदान में हुए इस जानलेवा हादसे के बाद बस संचालकों और मालिकों में भारी आक्रोश है। महानगर सिटी बस सोसाइटी के अध्यक्ष नेता विजय वर्धन डंडरियाल ने गेट के निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

थलापति विजय की फिर बढ़ीं मुश्किलें

करूर भगदड़ कांड में सीबीआई का बड़ा एक्शन, दिल्ली मुख्यालय में होगी पूछताछ

मुंबई ,तमिलनाडु के करूर में हुए दर्दनाक भगदड़ मामले में जांच की आंच एक बार फिर साउथ के सुपरस्टार और राजनीतिक दल 'तमिलगा वेट्री कजगमझ् (टीवीके) के प्रमुख थलापति विजय तक पहुंच गई है। इस हाई–प्रोफाइल मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए विजय को दोबारा पूछताछ के लिए समन भेजा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्हें आगामी 15 मार्च को दिल्ली स्थित मुख्यालय में पेश होने का सख्त निर्देश दिया है। इसके साथ ही करूर के विधायक वी. सेंथिल बालाजी को भी 17 मार्च को पूछताछ के लिए तलब किया गया है, जिससे राज्य के सियासी हलकों में हड़कंप मच गया है।

जनवरी में भी हो चुकी है लंबी पूछताछ, अब नए सुरागों पर फोकस

सीबीआई का मानना है कि इस संवेदनशील मामले की कई अनसुलझी और अहम कड़ियों को जोड़ने के लिए इन दोनों नेताओं से आमने–सामने की पूछताछ बेहद जरूरी है। इससे पहले इसी साल जनवरी के महीने में भी थलापति विजय सीबीआई के सामने दो बार पेश हो चुके हैं। उस दौरान जांच अधिकारियों ने उनसे कई घंटों तक रैली के आयोजन, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर तीखे सवाल पूछे थे। अब जांच के दौरान कुछ नए और अहम तथ्य सामने आने के बाद एजेंसी ने इन जानकारियों को पुख्ता करने के लिए उन्हें दोबारा दिल्ली तलब किया है।

विधायक सेंथिल बालाजी से भी खुलवाए जाएंगे कई राज

इस पूरे घटनाक्रम में करूर के विधायक वी. सेंथिल बालाजी की भूमिका भी जांच के घेरे में है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी विधायक से कार्यक्रम के आयोजन और स्थानीय प्रशासनिक तैयारियों को लेकर गहन पूछताछ करने वाली है।

जहरीला पदार्थ खाने से महिला की इलाज के दौरान मौत

काशीपुर। पति के साथ हुए विवाद के बाद संदिग्ध हालात में जहरीले पदार्थ का सेवन करने से एक विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के मुताबिक स्वार जिला रामपुर यूपी के ग्राम खरदिया निवासी 24 वर्षीय कंचन का बीते 4 मार्च को अपने पति विनोद के साथ किसी बात को लेकर आपसी विवाद हो गया। जिससे क्षुब्ध होकर उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। परिजनों ने बताया स्वार में प्राथमिक इलाज के बाद सोमवार को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उसे काशीपुर लेकर आए और यहां के गिरीताल स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान सोमवार की रात कंचन ने दम तोड़ दिया। मृतका की डेढ़ साल की एक छोटी बच्ची भी है। एसएसआई नवीन बुधानी ने बताया कि अस्पताल से महिला के जहर खाने के बाद भर्ती होने की सूचना मिली थी। महिला के परिजनों ने जहर खाने की बात बताई। बाद में महिला की मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

ममता बनर्जी का बड़ा दांव, दागी मंत्री से छीना कानून मंत्रालय

कोलकाता ,पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने लगी है और इसी सियासी तपिश के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बेहद चौंकाने वाला फैसला लिया है। 'दीदीझ् ने अचानक अपनी कैबिनेट में बड़ा फेरबदल करते हुए राज्य के कानून मंत्रालय की अहम जिम्मेदारी सीधे अपने हाथों में ले ली है। अब तक ममता सरकार में यह महत्वपूर्ण विभाग मंत्री मलॉय घटक संभाल रहे थे, लेकिन सोमवार को अचानक उनसे यह प्रभार वापस ले लिया गया। राज्य सचिवालय की तरफ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, घटक के पास अब सिर्फ श्रम विभाग की ही जिम्मेदारी बचेगी। इसके अलावा बाबुल सुप्रियो के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद उनके सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक उद्यम जैसे विभागों का प्रभार भी खुद मुख्यमंत्री ने संभाल लिया है।

पांच साल के कामकाज से नाखुश थीं मुख्यमंत्री

सियासी गलियारों में बाबुल सुप्रियो के विभागों को अपने पास रखने की बात तो समझ आ रही है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ममता बनर्जी ने मलॉय घटक जैसे पुराने और अनुभवी नेता से कानून मंत्रालय क्यों छीन लिया? सूत्रों की मानें तो इसके पीछे कई बड़ी वजहें हैं। साल 2021 में तीसरी बार सरकार बनने के बाद मलॉय घटक को यह अहम जिम्मा सौंपा गया था, लेकिन पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री उनके कामकाज के तौर–तरीकों से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं थीं।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर पारिवारिक मामले

सोशल मीडिया जहां एक और समाज में जागरूकता का काम करता है तो वहीं अब इसका उपयोग अनैतिक तथा सामाजिक कार्यों में अधिक होने लगा है। खास तौर से जब घर के मामले सोशल मीडिया पर उछाले जाने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मर्यादाएं और गोपनीयता अब चार दिवारी के अंदर सुरक्षित नहीं है। घर के प्रकरण आपसी सौहार्द एवं बातचीत से सुलझाने के अतिरिक्त और कोई विकल्प शायद नहीं हो सकता लेकिन जब घर की बातें सड़कों पर आकर उछाली जाने लगती है तो इसका फायदा निश्चित तौर पर ऐसे लोग उठाते हैं जो अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए ऐसे प्रभावित परिवारों के लोगों को प्रयोग करते हैं। हल्द्वानी में एक परिवार की बहू अपने घर के प्रकरण को यूट्यूब पर और ब्लॉगर्स के भरोसे चल रही है जिसके कारण उसके सुलह के सारे रास्ते लगभग बंद से नजर आने लगे हैं। सड़क पर मां बेटी का विलाप ब्लॉगर्स का सनसनीखेज कंटेंट बन गया है जिसे जमकर भुनाया जा रहा है। स्थिति यह हो गई है कि ससुराल वालों ने बहु को बेदखल कर दिया है और अब बहू अपना सामान उठाकर अपनी मां के घर आ चुकी है। इसके बाद भी यूट्यूब और ब्लॉगर्स का इस महिला के प्रकरण को उछलने का खेल हमने का नाम नहीं ले रहा है बल्कि इसे एक फिल्मी अंदाज में "लाइट्स कैमरा एक्शन" की तर्ज पर पोस्ट किया जा रहा है। यह एक प्रकरण है उस दुर्भाग्य का जिसमें परिवार के लोग बड़े बुढो को समझौते के लिए बीच में ना बिठाकर सोशल मीडिया की राह पकड़ रहे हैं। यह सब जानते हुए भी कि आज सोशल मीडिया की ताकत किसी भी दैनिक लोकप्रिय अखबार से हजार गुना प्रभावशाली बन चुकी है और एक पोस्ट चंद मिनट में आपके कारनामों की पूरी पोल पट्टी खोलकर समाज के आगे रख देती है। घर के प्रकरण घर के लोगों की मौजूदगी में ही सुलझा लेने चाहिए और यदि सलाह का कोई रास्ता फिर भी ना निकलता हो तो इसके लिए महिला हेल्पलाइन या फिर अदालत में उपलब्ध हैं। एक बार सोशल मीडिया पर प्रकरण उछल जाने के बाद फिर सारे रास्ते स्वत: ही बंद हो जाते हैं और यही सब इस प्रकरण में भी हुआ है जहां अब घर वापस लौटने की संभावनाएं लगभग ना के बराबर है। युट्युबर्स और ब्लॉग्स अपनी सुर्खियां बटोर चुके हैं और अंतत: इस महिला को पुलिस थाने और कोर्ट की शरण में तो जाना ही पड़ेगा। यही सब अगर नियति थी तो फिर अवसरवादी लोगों से ब्लॉग्स बनवाने का क्या औचित्य रहा होगा यह तो समझ से परे है। कुछ दिनों बाद सोशल मीडिया पर प्रकरण ठंडा पड़ जाएगा, ना तो परिवार बचाने के लिए कोई यूट्यूब और ब्लॉगर नजर आएगा और ना ही ऐसे प्रकरणों को उठाने वाले लोग ही दिखेंगे। सोशल मीडिया सामाजिक उत्थान का कार्य तो कर सकता है लेकिन जब बात किसी परिवार की गरिमा गोपनीयता और मर्यादा की हो तो कम से कम यहां सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखने में ही भविष्य की संभावनाएं खुली रह सकती हैं।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था?

इजराइल–अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य–पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाज़ार से लेकर करेंसी बाज़ार, जहाज़रानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है? तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की श्रृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है।

इजराइल–अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य–पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाज़ार से लेकर करेंसी बाज़ार, जहाज़रानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है?

तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की श्रृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।

इस विश्वास को समय–समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड–19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेज़ी से लौट आया। कंटेनर जहाज़ों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज़ हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।

लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाज़ारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है।

यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा–रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू–राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है।

ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू–राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है।

इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति–राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है।

भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है।

यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेज़ी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू–राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना पड़ रहा है।

2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू–राजनीतिक हिसाब–किताब से अलग नहीं रहे।बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू–राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं।

ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं।यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है।

हालांकि वैश्वीकरण एक युद्ध से समाप्त नहीं होगा। लेकिन आज वह पहले की तुलना में अधिक नाजुक निश्चित ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि यह केवल व्यापार मार्गों का जाल नहीं था। यह बड़ी शक्तियों के बीच एक वैश्विक गाँव के भीतर राजनीतिक अनुशासन पर भी टिका है।

और अनुशासन जब कमजोर पड़ने लगता है, तो व्यवस्था तुरंत नहीं टूटती, लेकिन उसका असुरक्षित होना स्पष्ट दिखाई देने लगता है। ऐसे क्षणों में भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं लगता, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था जैसा दिखाई देता है जो परिस्थितियों पर निर्भर है–और लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। समय कभी भी पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार देता है, जैसा वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी इस समय दिखलाई दे रहा है।

ट्रंप के मूड की तलवार

इस दौर में अमेरिका के साथ हुए हर समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप के कदमों पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है।

अमेरिका ने अब भारत से सौर ऊर्जा से संबंधित पाट–पुर्जों के आयात पर 126 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसे भारत के फूलते–फलते सौर उद्योग पर घातक प्रहार समझा गया है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ये कदम उस समय उठाया, जब अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ वॉर के स्वरूप को लेकर अनिश्चय है। ट्रंप ने जिस कानून के तहत दंडात्मक आयात शुल्क लगाए थे, सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया। उसके बाद ट्रंप ने दूसरे कानून के तहत सभी देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाया। बाद में कहा गया कि वे इसे 15 फीसदी तक ले जाएंगे। अब बताया गया है कि आम टैरिफ 10 फीसदी रहेगा और ट्रंप बाकी पांच फीसदी का इस्तेमाल विभिन्न देशों के रुख के हिसाब से करेंगे।

इस बीच अलग–अलग उत्पादों (मसलन स्टील) पर लगाए गए शुल्क जारी रहेंगे और नए शुल्क भी ट्रंप लगाते रहेंगे, जैसाकि अब उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित पाट–पुर्जों पर लगाया है। ऐसे में भारत सहित हर देश के सामने यह प्रश्न है कि ट्रंप प्रशासन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने का क्या औचित्य है? किसी समझौते के तहत हुई लेनदेन से देश के अधिकांश उद्योगों और अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों को लाभ ना हो रहा हो, तो वैसा समझौता करने की ललक क्यों दिखाई जानी चाहिए? मुद्दा यह भी है कि इस दौर में अमेरिका के साथ हुए समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है।

फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप जो कर रहे हैं, उस पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय जाहिर हुआ है कि शासन की सभी संस्थाओं के बीच उन कदमों की वैधानिकता पर आम समझ का अभाव है। इसलिए भारत सरकार को ताजा स्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अभी भी समय है कि वह पहले इस बारे में देश को भरोसे में ले और राजनीतिक आम सहमति तैयार करे। वरना, समझौते के प्रति उसके उत्साह पर सवाल उठते रहेंगे। उसे याद रखना चाहिए कि ट्रंप के हर मूडी एक्शन के साथ ऐसे सवाल और संगीन होते जाएंगे।

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका–इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम– मिलन– में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तनम में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को "सुरक्षित एवं निष्क्रिय" मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है– 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।इ डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंगा दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है।इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है।

सनी देओल की फिल्म गबरू की नई रिलीज डेट आई सामने

सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म 'बॉर्डर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं जो 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के बाद सनी देओल के खाते में कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें शशांक उदापुरकर की फिल्म 'गबरूज़ भी शामिल है. सनी देओल ने इस फिल्म का ऐलान पिछले साल किया था और साथ ही इसका मोशन पोस्टर भी शेयर किया था जिसने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी थी. पहले 'गबरू को 13 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है. वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सनी देओल की अगली थिएटर रिलीज 'गबरूज़ अब 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फिल्म का निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है जबकि इसे विशाल राणा और ओम छंगानी ने प्रोड्यूस किया है. 'गबरूज़ में सनी देओल एक मिडिल एज फैमिली मैन के किरदार में नजर आएंगे. कहानी एक ऐसे शख्स की है जिसकी जिंदगी अचानक आए कुछ हालात के बाद बदल जाती है.

विलाया थंडावम से कार्तिक राजू का दमदार फर्स्ट लुक जारी हुआ

सशक्त कथानक और अपरंपरागत विषयों वाली पटकथाओं को चुनकर, युवा नायक कार्तिक राजू धीरे–धीरे फिल्म उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं। इसी शैली को अपनाते हुए, वे अब आगामी एक्शन से भरपूर फिल्म विलाया थंडावम में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस हाई वोल्टेज थ्रिलर का निर्देशन वी.एस. वासु ने किया है। इस फिल्म में कार्तिक राजू के साथ पार्वती अरुण और पुष्पा फेम जगदीश भी अहम भूमिकाओं में हैं।

जीएमआर मूवी मेकर्स की यह पहली फिल्म है, जिसे मंडला धर्म राव और गुम्पु भास्कर राव द्वारा निर्मित किया जा रहा है। गौरतलब है कि दशहरा उत्सव के दौरान जारी किए गए टाइटल पोस्टर ने काफी हलचल मचाई और दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। बढ़ती उत्सुकता को और बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने क्रिसमस के विशेष उपहार के रूप में फिल्म का पहला लुक पोस्टर जारी किया है। यह आकर्षक पोस्टर ऊर्जा से भरपूर है, जो जबरदस्त एक्शन और एक दमदार कहानी का संकेत देता है। चारों ओर आग की लपटें फैली हैं, जले हुए अवशेष बिखरे पड़े हैं, पास में एक टूटा हुआ फोटो फ्रेम पड़ा है, और नायक के हाथ पर आग की लपटें उठ रही हैं।

टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट का हुआ ऐलान, चार भारतीय और एक पाकिस्तानी टीम में शामिल

नईदिल्ली,आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान कर दिया है. जिसमें भारत से सबसे ज्यादा चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. उसके बाद दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से दो–दो खिलाड़ी और पाकिस्तान, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से एक–एक खिलाड़ी को टीम में शामिल किया गया है.हैरानी की बात ये है कि इस टीम में टी20 वर्ल्ड कप की रनर अप टीम न्यूजीलैंड से एक भी खिलाड़ी सिलेक्ट नहीं हो सका, और न ही इसमें ऑस्ट्रेलिया का कोई खिलाड़ी है. क्योंकि वो ग्रुप स्टेज से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे. टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट के सिलेक्शन पैनल में इयान बिशप, नताली जर्मनोस, इयोन मॉर्गन (ब्रॉडकास्टर्स); गौरव सक्सेना (आईसीसी प्रतिनिधि) और रेक्स क्लेमेंटाइन (स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट) शामिल थे.टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह के नाम शामिल है.

संजू ने टूर्नामेंट में कुल 321 रन बनाए. किशन ने 317 रन बनाए. पंड्या तीसरे भारतीय बैटर हैं, जिन्हें बैट और बॉल दोनों से उनके योगदान के लिए अहमियत दी गई. उन्होंने दो हाफ सेंचुरी बनाई और जरूरत पड़ने पर असरदार स्पेल भी डाले.बुमराह टीम में चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्हें फाइनल में उनकी शानदार बॉलिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वह आठ मैचों में 14 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे. फाइनल में, उन्होंने 15 रन देकर चार विकेट लिए.

एडेन मार्कर्म टीम में दो साउथ अफ्रीकन खिलाड़ियों में से एक हैं, प्रोटियाज कप्तान ने 286 रन बनाए, जिसमें तीन हाफ–सेंचुरी शामिल हैं, जिससे उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची. उनके हमवतन लुंगी एनगिडी भी टीम में हैं, जिन्होंने 15.58 की औसत से 12 विकेट लिए हैं.इंग्लैंड के विल जैक्स अपने शानदार ऑल–राउंड प्रदर्शन की वजह से मिडिल ऑर्डर में आए हैं, जिससे उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची. जैक्स ने इंग्लैंड को जीत दिलाने में लगातार अहम योगदान दिया,

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया-अनीत पड्डा

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्रकिया और कहा, मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है। अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं। स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं।

टी–20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली, हाल ही में संपन्न हुए टी–20 विश्व कप 2026 में कई मैचों में टीमों ने बड़े स्कोर बनाए। भारतीय क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल और फाइनल मैचों में 250+ रन के स्कोर किए। भारत से संजू सैमसन और ईशान किशन ने इस संस्करण में 300 से अधिक रन बनाए और इस बीच कई बड़े छक्के देखने को मिले। इस बीच टी–20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं। सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक 24 छक्के लगाए। भारतीय विकेटकीपर सैमसन को शुरुआती मुकाबलों में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका नही मिला था। हालांकि, जब उन्हें चुना गया तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 5 मैच की 5 पारियों में 80 .25 की उम्दा औसत और 199 .37 की स्ट्राइक रेट के साथ 321 रन अपने नाम किए।

टी–20 विश्व कप के एक संस्करण में इन भारतीय बल्लेबाजों ने बनाए 300+ रन

नईदिल्ली,टी–20 विश्व कप 2026 का खिताब भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने नाम किया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से करारी शिकस्त दी। साल 2007 और 2024 के बाद अब तीसरी बार भारत इस खिताब को जीतने में सफल हुआ। इस सफल अभियान में भारतीय बल्लेबाजों की अहम भूमिका रही। इस बीच एक संस्करण में 300 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं। टी–20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके विराट कोहली टी–20 विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 के संस्करण में 6 मैच खेलते हुए 106.33 की औसत से 319 रन अपने नाम किए थे। विशेष रूप से, भारत उस संस्करण के फाइनल में श्रीलंका से हारकर उपविजेता रहा था। इसके अलावा, कोहली 3 टी–20 विश्व कप संस्करणों में 250+ रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी हैं। संजू सैमसन को शुरुआती मुकाबलों में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका नही मिला। हालांकि, जब उन्हें चुना गया तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97* रन रहा। उनसे ज्यादा रन सिर्फ टिम साइफर्ट (326) और साहिबजादा फरहान (383) के बल्ले से निकले सैमसन उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए, जो टी–20 विश्व कप का खिताब जीतने के साथ–साथ प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए।

एक नजर

150 दिनों से चल रहा धरना स्थगित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : तहसील प्रांगण में स्मार्ट मीटर के विरोध में जौनपुर, आमपड़ाव, काशीरामपुर, ध्रुवपुर आदि क्षेत्रवासियों का पिछले 150 दिनों से चल रहा धरना प्रदर्शन सोमवार को स्थगित कर दिया गया। कहा कि वह धरना प्रदर्शन को इस विश्वास के साथ स्थगित कर रहे हैं कि सरकार स्मार्ट मीटर के संबंध में जनहित में जरूर कार्रवाई करेगी। साथ ही कार्रवाई न होने पर भविष्य में पुनः आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी दी गई। प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन में कहा कि ऊर्जा निगम व प्राइवेट कंपनी की ओर से जनता को डरा धमकाकर व मुकदमों का भय दिखाकर जबरदस्ती घरों में लगे मीटरों को उतारकर उनके स्थान पर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य पिछले साल अप्रैल से शुरू किया गया था। स्मार्ट मीटर लगने के बाद गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों के बिजली के भारी भरकम बिल आने शुरू हो गए जिससे लोग काफी परेशान थे। ऊर्जा निगम के अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी जब उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो उन्हें पिछले साल सितंबर से कोटद्वार तहसील में आंदोलन शुरू करने को बाध्य होना पड़ा। इस मौके पर पार्षद रीता देवी, सामाजिक संस्था जनाधिकार मंच के अध्यक्ष आशाराम, रंजना रावत, बलवीर रावत, चंद्रपाल सिंह खेतवाल, मदन सिंह नेगी, परमानंद, सुनील कुमार, महावीर सिंह नेगी, मोहम्मद अली, जमील अहमद, अख्तरी, शीला भारती आदि शामिल रहे।

अल्मोड़ा में होगा उमेश डोभाल स्मृति समारोह

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उमेश डोभाल स्मृति समारोह 24 व 25 मार्च को अल्मोड़ा में आयोजित किया जाएगा।

ट्रस्ट के महासचिव नरेश नौडियाल ने बताया कि उमेश डोभाल स्मृति सम्मान 2025 कपिल भोज को उनकी साहित्य धर्मिता के लिए उनके समर्पण, प्रेरणादायक और अनुकरणीय कार्य के लिए दिया जाएगा। राजेंद्र रावत राजू स्मृति जनसरोकार सम्मान किशन सिंह मलड़ा को दिया जाएगा। गिरीश तिवारी गिर्दा स्मृति जनकवि सम्मान रंगकर्मी यमुना राम को उनकी जनपक्षीय नाटकों और जनगीत के लिए प्रदान किया जाएगा। इस वर्ष भुवनेश्वरी जोशी प्रतिभा सम्मान बालिका वर्ग में मोनिका पंवार, चमियाला, टिहरी गढ़वाल व बालक वर्ग में जीआईसी क्यार्क पौड़ी के करन राज को दिया जाएगा। अगले वर्ष के लिए भुवनेश्वरी जोशी और अनिरुद्ध जोशी प्रतिभा सम्मान अल्मोड़ा जनपद के आर्थिक रूप से कमजोर और मेरिट में उच्च स्थान रखने वाले 12वीं पास छात्र-छात्राओं को दिया जाए जाएगा।

ऊर्जा निगम कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल के विरोध में ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने विद्युत वितरण खंड के कार्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने जल्द ही इस बिल को वापस लेने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि नए कानून के तहत निजी कंपनियों को सरकारी डिस्कॉम का नेटवर्क इस्तेमाल कर बिजली वितरण करने का लाइसेंस प्राप्त होगा। निजीकरण के लिए किसी टेंडर की जरूरत नहीं रहेगी। निजी कंपनियों को लाइसेंस मिलेगा और वे सरकारी नेटवर्क इस्तेमाल कर मुनाफे वाले उपभोक्ताओं को छीन लेंगी। मंगलवार को ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने विद्युत वितरण खंड कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिशासी अभियंता श्रीनगर गोपाल रावत, एसडीओ सतपुली मुकेश कुमार व परवेज कुमार ने कहा कि संपूर्ण पॉवर सेक्टर के निजीकरण के लिए इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल लाया जा रहा है। बिल के पारित होने के बाद देश में बिजली का नया कानून लागू हो जाएगा। प्रदर्शनकारियों में गोविंद सिंह, उदित पंवार, ज्योति असवाल, सुनील रावत, रविंद्र पटवाल, दिनेश रावत, पूजा रावत, प्रतिभा नेगी, हिमानी, आरती, पूनम, संजय रावत, धर्मेंद्र गुसाईं, अनिल थपलियाल, रामस्वरूप आदि शामिल रहे।

फर्जी कंपनी खोलकर लोगों से ठगी करने वाले गिरफ्तार

मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस पूर्व में ही कर चुकी है गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में फर्जी कंपनी बनाकर लोगों से ठगी करने वाले चार व्यक्तियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी पिछले कई माह से फरार चल रहे थे। जबकि, मुख्य आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार हो चुका है। गत वर्ष मामले में कोटद्वार निवासी यास्मीन ने पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उन्होंने ग्रामीण विकास निधि लिमिटेड नाम की कंपनी में खाता खोला और सितंबर 2023 से अगले एक वर्ष तक सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से कुल 36 हजार पांच सौ रुपये जमा किए। बताया कि योजना पूर्ण होने के बाद भी कंपनी ने उन्हें ब्याज व रकम नहीं दी। कंपनी के संचालक उनसे कार्यालय के चक्कर कटवाते रहे। बताया कि कुछ दिन बाद कोटद्वार में कार्यालय बंद कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरु की। पुलिस जांच में सामने आया कि इस कंपनी ने कोटद्वार सहित राज्य के अन्य स्थानों में भी लोगों से खाते खुलवाए थे। लोगों ने कंपनी पर भरोसा कर लाखों रुपये जमा किए लेकिन, कंपनी पैसों को लेकर फरार हो गई। मामले में पुलिस ने बीते वर्ष नौ दिसंबर को मुख्य आरोपी दिलीप सिंह बोहरा को विनोद बिहार ऋषिकेश से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके साथी भम सिंह, प्यारे राम, बालकरन, सुरेंद्र सिंह नेगी व सूरज मणी सेमवाल ने मिलकर बोहरा ग्रामीण विकास निधि लिमिटेड नाम की कंपनी खोली। पुलिस जांच में पता चला कि कंपनी पंजीकृत है। लेकिन, उसे लोगों से आरडी, एफडी या अन्य किसी भी प्रकार की रकम लेने का अधिकार नहीं है। ऐसे में अब पुलिस ने मामले में फरार चल रहे सुरेंद्र सिंह नेगी पुत्र गौतम सिंह नेगी, निवासी खैरी खुर्द, पांडे प्लॉट, गली नं. 10, श्यामपुर, जनपद देहरादून, बालकरन पुत्र रामराज मौर्य, निवासी शिवाजी नगर, गली नं. 29-अ, ऋषिकेश, जनपद देहरादून, नरेश रावत पुत्र सत्य प्रकाश रावत निवासी 266 शांति नगर, वनखंडी, ऋषिकेश, जनपद देहरादून को गिरफ्तार किया है।

25 मार्च तक भरे जाएंगे परीक्षा आवेदन फार्म

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि की स्नातक एवं स्नातकोत्तर सम सेमेस्टर की परीक्षाओं के आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विवि ने द्वितीय सेमेस्टर की मुख्य परीक्षाओं के साथ ही अन्य सभी सम सेमेस्टर मुख्य एवं बैकलॉग परीक्षा के आवेदन फार्म भरे जाने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत 12 मार्च से 25 मार्च तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा आवेदन फार्म भरने जाने की तिथि निर्धारित की गई है। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान का कहना है कि विवि की प्राथमिकता परीक्षाओं के आयोजन के साथ ही परीक्षा परिणाम समय पर जारी करना है, जिससे शैक्षणिक सत्र नियमित बना रहे। कहा कि पूर्व में संबद्ध कॉलेजों व संस्थानों को इसके लिए इंटरनल व प्रयोगात्मक परीक्षाओं के अंक विवि को समय पर उपलब्ध कराने के लिए कड़े निर्देश भी जारी किए गए हैं। इससे पिछले सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने में सुविधा भी मिली है। उन्होंने बताया कि आवेदन फार्म 12 से 25 मार्च तक भरे जाएंगे जबकि 1500 रुपये विलंब शुल्क के साथ 1 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकेगा। एनईपी के तहत द्वितीय सेमेस्टर के छात्र वेबसाइट पर जाकर आवेदन करेंगे। अन्य सभी सम सेमेस्टर (मुख्य/बैकलॉग) के छात्र पोर्टल के माध्यम से परीक्षा फार्म भर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सेमेस्टर परीक्षाओं का आयोजन मई माह में प्रस्तावित है। (एजेंसी)

छात्र-छात्राओं के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज में देश की जानी मानी कंपनी सॉर्टिक सोलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 11 मार्च को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को आयोजित होने वाली ड्राइव में क्षेत्र के स्नातक फाइनल ईयर के छात्र-छात्राओं का कंपनी के सीनियर एचआर अधिकारी साक्षात्कार लेंगे। जिसको लेकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह है। कॉलेज प्रबंधन ने भी इसकी पूरी तैयारी कर ली है।

कॉलेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने बताया कि छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए कालेज प्रबंधन की ओर से बेहतर शैक्षणिक व्यवस्थाएं बनाई गई हैं। नैक की मान्यता मिलने के बाद अब आईएचएमएस कालेज का नाम देश के प्रमुख कालेजों की सूची में आ गया है। जिसके कारण अब देश और विदेश की जानी मानी कंपनियां कालेज में विजिट कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 11 मार्च को देश की जानी मानी कंपनी सॉर्टिक सोलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के एचआर अधिकारी कालेज में पूल कैंपस आयोजित कर रहे हैं। जिसमें जूनियर मेरन स्टैक डिवलपर, पीएचपी/ वर्डप्रेस/ लरावल डिवलपर, डिजिटल मार्केटिंग एक्जक्यूटिव, बिजनेस एनालिस्ट और बिजनेस डिवलपमेंट, एक्जीक्यूटिव के पदों के लिए साक्षात्कार लिए जाएंगे। बताया कि उक्त पद के लिए बीए, बीएसई, बी-कॉम, बीसीए, बीएससी आईटी, बीबीए, एमबीए और एमसीए के फाइलन ईयर के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकते हैं। जिसमें अव्वल प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को 03 से 05 लाख वार्षिक पैकेज तक के नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र के छात्र-छात्राओं से गंभीरता पूर्वक तैयारी कर साक्षात्कार देने की अपील की है।

जल व्यर्थ न बहाने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में नमामि गंगे इकाई एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'जल महोत्सव' पखवाड़ा के तहत कार्यक्रम शुरू हो गये है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को जल शपथ दिलाई। कहा कि 'कैच द रेन' भारत सरकार का एक अभियान है, जिसे ह्लजहां गिरे, जब गिरेह्व की टैगलाइन के साथ जल संरक्षण के लिए चलाया जाता है। इस का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को बर्बाद होने से बचाना और उसे एकत्र करना है। उन्होंने कहा कि जल एक अनमोल सम्पदा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वह समाज के लोगों को जल को व्यर्थ न बहाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और इसे बहाने से आने वाली पीढ़ी को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस मौके पर नोडल अधिकारी नमामि गंगे डॉ. विवेक रावत ने जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत होने वाले आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

...साहब हाथी सुरक्षा दीवार बनवा दीजिए

जंगल से सटी सड़क पर घूमता हाथी का झुंड

हाईवे पर बढ़ी हाथियों की धमक

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी इन दिनों हाथियों की धमक बढ़ने लगी है। दरअसल, गर्मी के मौसम में हाथी जंगल से निकलकर खोह नदी में पानी पीने के लिए पहुंचते हैं। एक दिन पूर्व ही हाईवे पर हाथियों का झुंड पहुंच गया था। जिसके कारण हाईवे के दोनों ओर जाम की स्थिति बनी हुई थी।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार क्षेत्र के अंतर्गत सनेह व भाबर की अधिकांश जनता खेती पर ही निर्भर है। लेकिन, आबादी में पहुंच रहे जंगली जानवरों ने इन काश्तकारों की चुनौतियां बढ़ा दी है। फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसे में कई काश्तकार खेती छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। काश्तकारों ने वन विभाग व जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र में हाथी सुरक्षा दीवार को बेहतर बनाने की मांग की है।

समस्या के संबंध में काश्तकारों की बैठक हुई। वक्ताओं ने कहा कि सनेह क्षेत्र में अधिकांश परिवार खेती पर निर्भर हैं। लेकिन, पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में हाथी सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। ऐसे में हाथियों का झुंड आबादी में पहुंचकर फसल को बर्बाद कर रहा है। फसल बर्बाद होने के कारण काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। काश्तकारों का खेती से मोह भंग होता जा रहा है। कहा कि काश्तकार समस्या से कई बार जनप्रतिनिधि व विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या जस की तस बनी हुई है। कहा कि वन विभाग को जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार की मरम्मत करानी चाहिए। इस मौके पर रमेश सिंह, मोहन कुमार, राजीव नेगी, मुन्ना सिंह आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण बना चुनौती, रूला रहा जाम

कोटद्वार के झंडाचौक के समीप लगा वाहनों का जाम

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही है। सुबह से रेंग-रेंगकर चल रहे वाहन आमजन के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। सबसे बुरी स्थिति राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य मार्गों पर बनी हुई है। जाम के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल होता जा रहा है।

शहर में अतिक्रमण के कारण विकराल हो रही जाम की स्थिति

वर्तमान में शादियों का सीजन चल रहा है। जिसके कारण शहर की सड़कों पर इन दिनों वाहनों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। सुबह से लोग खरीददारी करने के लिए बाजार पहुंच रहे हैं।

लेकिन, सड़कों पर अतिक्रमण व बेतरतीब तरीके से घूमती रेहड़ी ठेली लोगों की परीक्षा ले रही है। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड, स्टेशन रोड, पटेल मार्ग, बदरीनाथ मार्ग, नजीबाबाद रोड पर बनी हुई है। दरअसल, इन स्थानों पर अतिक्रमण के साथ ही सड़क पर ही गैराज भी संचालित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शादी व त्योहार सीजन में व्यवस्थाएं बेपटरी हो जाती हैं। आमजन को जाम के झाम से जूझना पड़ता है। पार्किंग व्यवस्था के लिए कई बार जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

बढ़ रहे वायरल के मरीज, ओपीडी 450 के पार

श्रीनगर गढ़वाल : उप जिला अस्पताल श्रीनगर में वायरल के साथ आंख, नाक, गले के संक्रमण के मरीज बढ़ रहे हैं। अस्पताल में पहुंचने वाले हर दूसरे मरीज को बुखार व खांसी है। ऐसे में अस्पताल की ओपीडी 450 के पार जा रही है। डॉक्टर इसका कारण मौसम में आ रहे बदलाव को मान रहे हैं। उप जिला अस्पताल श्रीनगर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नगर क्षेत्र सहित कीर्तिनगर, बडियारगढ़, हिंडोलाखाल, देवप्रयाग, खिर्सू आदि क्षेत्रों के लोग निर्भर हैं। सामान्य दिनों में अस्पताल की ओपीडी करीब 300 तक रहती है वहीं आजकल ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या करीब 450 के पार जा रही है। इससे अस्पताल के पंजीकरण काउंटर पर लाइन लगी हुई है। रेडियोलॉजिस्ट डा. रचित गर्ग का कहना है कि पेट की शिकायत वाले मरीजों की संख्या भी अधिक है। इससे अल्ट्रासाउंड के लिए भी लोगों की भीड़ लग रही है।

लंबे इंतजार के बाद नरेंद्रनगर अस्पताल में शुरू हुई आंखों की सर्जरी

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन राजकीय उप जिला चिकित्सालय में एक बार फिर आंखों के ऑपरेशन शुरू हो गए हैं। अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ के कार्यभार संभालने के बाद मरीजों को राहत मिलने लगी है। लंबे समय से आंखों की सर्जरी की सुविधा बंद होने के कारण क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए ऋषिकेश, देहरादून का रुख करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों की मांग और समस्या को देखते हुए सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तन्वी जोशी की तैनाती की व्यवस्था की। अस्पताल में कार्यभार संभालने के बाद डॉ. तन्वी जोशी ने तीन मरीजों की आंखों का सफल ऑपरेशन किया। इनमें धुआंधार निवासी 65 वर्षीय सुशीला देवी, गुजराड़ा निवासी 48 वर्षीय सुरेंद्र सिंह और चंबा ब्लॉक के कोट गांव निवासी बैसाखी देवी शामिल हैं। तीनों मरीज लंबे समय से आंखों की समस्या से परेशान थे। इलाज की प्रतीक्षा कर रहे थे। नेत्र रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की जानकारी मिलने के बाद ये मरीज अपनी जांच कराने उप जिला चिकित्सालय पहुंचे।

एलिवेटेड मार्ग बनाने के लिए गंभीरता दिखाएं सरकार

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले ही न्यायालय ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को स्वीकृति दे दी हो। लेकिन, स्थानीय लोग मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर अब भी धरने पर डटे हुए हैं। लोगों ने सरकार से मार्ग को जल्द से जल्द एलिवेटेड बनाने की मांग उठाई। कहा कि जब तक धरातल पर गंभीरता नहीं दिखाई जाएगी उनका धरना जारी रहेगा।

मंगलवार को लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। लोगों ने कहा कि क्षेत्र के विकास को लेकर लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग एलिवेटेड बनना आवश्यक है। मार्ग के बेहतर निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। साथ ही सिगड्डी के मंद पड़े व्यापार को भी गति मिलेगी। यही नहीं, इस मार्ग का निर्माण होने से कण्वाश्रम को भी नहीं पहचान मिलेगी। शहरवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से नहीं जाना पड़ेगा। कोटद्वार को राजधानी से जोड़ने का एक बेहतर विकल्प मिलेगा। कहा कि स्थानीय जनता लंबे समय से मार्ग निर्माण को धरना दे रही है। लेकिन, अब तक सरकार चुप्पी साधे हुए है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी थलीसैंण/बीरोंखाल जनपद गढ़वाल

संख्या 62/ना0ना0-/20252026- थलीसैंण दिनांक 05 मार्च 2026

सार्वजनिक निविदा सूचना

जिलाधिकारी महोदय गढ़वाल के कार्यालय आदेश संख्या-219/07-भूलेख/2025-2026 दिनांक फरवरी 10, 2026 के द्वारा तहसील थलीसैंण एवं बीरोंखाल के अन्तर्गत दैवी आपदा मद से 30 से 70 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त उपरोक्त पटवारी चौकीयों का मरम्मत कार्य को UTTARAKHAND PROCUREMENT RULE 2025 के प्रस्तर-44 (ड) में दिये गये प्राविधानो के अन्तर्गत इच्छुक पंजीकृत ठेकेदारों से सील्ड बन्द निविदाये दिनांक 16/03/2026 को पूर्वाहन 12:00 बजे तक आमत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाये दिनांक 16/03/2026 को अपरान्ह 02 बजे गठित समिति द्वारा निविदा दाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। कार्य का विवरण एवं निविदा की शर्ते निम्नवत् होगीः–

क्रसं सं0	कार्य का नाम	धनराशि
1	2	3
01	रा0उ0नि0 चौकी चौपडाकोट-2, तहसील थलीसैण के छत, दीवार तथा फर्श का मरम्मत कार्य।	5.00 लाख
02	रा0उ0नि0 चौकी सावली-2 तहसील बीरॉखाल के छत, दीवार तथा फर्श शौचालय व चार दिवार का मरम्मत कार्य।	5.00 लाख
03	रा0उ0नि0 चौकी मेलधार तहसील बीरोंखाल के छत, दीवार तथा फर्श सीढियों का मरम्मत कार्य।	5.00 लाख
04	रा0उ0नि0 चौकी खाटली प0–3 तहसील बीरोंखाल के छत दीवार तथा फर्श का मरम्मत कार्य।	5.00 लाख
05	रा0उ0नि0 चौकी खाटली प0–4 तहसील बीरोंखाल के छत दीवार तथा फर्श का मरम्मत कार्य।	5.00 लाख
	योग	25.00 लाख

1- निविदाकार/ठेकेदार का किसी भी राजकीय विभाग में ठेकेदारी का पंजीकरण/ जी0एस0टी0 पंजीयन होना अनिवार्य होगा तथा उक्त प्रमाण पत्रों को संलग्न करना होगा।
2- निविदाकार द्वारा फार्म फीस रू0- 500.00 एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 कुल 590.00 को नकद/ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी थलीसैंण / बीरोंखाल गढ़वाल के नाम देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3- प्राप्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार उपजिलाधिकारी थलीसैंण / बीरोंखाल का होगा।
4- सबसे न्यूनराशि की निविदा ही स्वीकार्य की जायेगी।
5- किसी भी विवाद के निपटान हेतु क्षेत्राधिकार तहसील थलीसैंण / बीरोंखाल का होगा।
6- बिलम्ब से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
7- कार्यदेश जारी होने के 01 माह के अन्दर कार्य पूर्ण करना होगा।
8- भुगतान के समय नियमानुसार 2 प्रतशित आयकर एवं 10 प्रतशित धरोहर राशि की कटौती की जायेगी।
9- कार्य का भुगतान तकनीकी जॉच के पश्चात सन्तोषजनक पाये जाने पर एम0बी0 के अनुसार किया जायेगा।
10- निविदाकार को रू0-100 का ज्यूडिशियल स्टाम्प जो कि नोटरी द्वारा सत्यापित हो, जमा करना अनिवार्य होगा।
11- निविदाकार को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2025 के प्रस्तर-8(1) के अनुसार कार्यपूर्ति धनराशि के रूप में 03 प्रतिशत की धनराशि की सी0डी0आर/एफ0डी0आर0/बैक ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी थलीसैंण / बीरोंखाल गढ़वाल गढ़वाल के नाम बन्धक रखना अनिवार्य होगा जिसकी अवधि 90 दिनों तक के लिए वैध होनी अनिवार्य होगी।

(कृष्णा त्रिपाठी)
उपजिलाधिकारी
थलीसैंण गढ़वाल।

सोनिया देवी को मिला सम्मान, किया स्वागत

आयोजित कार्यक्रम में सोनिया देवी को सम्मानित करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकास्ट) की ओर से पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत की एसएमसी अध्यक्ष सोनिया देवी को सम्मानित किया गया। सोनिया देवी को सम्मान मिलने पर विद्यालय ने उनका स्वागत किया।

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स देहरादून के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आठवें हिमालयी नारी शक्ति सम्मान-2026 समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. भानु दुग्गल, विशिष्ट अतिथि यूकास्ट के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत और कुमकुम रानी थी। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। सोनिया देवी को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए मिला। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के विज्ञान चेतना केंद्र के द्वारा विज्ञान को सरल, बोधगम्य और रूचिपूर्ण बनाने तथा छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक अनुसंधान और दृष्टिकोण पैदा करके विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे कार्यों के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान में सोनिया देवी का सक्रिय सहयोग और सहभागिता रहती है। उनके द्वारा अपने गांव की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्वयं सहायता समूह के माध्यम से मौसमी सब्जियां उगाकर वोकल फार लोकल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सिरफिरों का घर नाटक का किया मंचन

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में संस्कृति मंत्रालय केंद्र सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और गढ़वाल विवि की ओर से पांच दिवसीय हिमाद्री नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में दूसरे दिन उदयपुर की मार्तण्ड फाउंडेशन की ओर से प्रस्तुत नाटक 'सिरफिरों का घर' का मंचन किया गया। नाटक में हास्य और सामाजिक संदेश का समन्वय देखने को मिला।

लगभग 70 मिनट की अवधि वाले इस नाटक की कहानी एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है जिसमें आपसी नोकझोंक और हास्यपूर्ण स्थितियां दर्शकों को गुदगुदाती हैं। नाटक में हास्य के साथ-साथ मेवाड़ के वीर महाराणा प्रताप के चरित्र का भी प्रभावशाली चित्रण किया गया है। नाटक के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों और पारिवारिक प्रेम की महत्ता को भी रेखांकित करता है। नाटक का लेखन एवं निर्देशन विलास जानवे ने किया है। इसमें मनीष शर्मा, किरण जानवे, अमित मेनारिया, रेखा सिसोदिया और विलास जानवे ने अभिनय किया। संगीत समर्थ जानवे और भुवन शर्मा ने दिया जबकि मंच सज्जा धर्मेश शर्मा की रही। ध्वनि एवं प्रकाश का दायित्व रेखा सिसोदिया और अमित मेनारिया ने संभाला।

सुन्दर लाल जोशी को मिली ऑनरेरी डॉक्टरेट की उपाधि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखण्ड के वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाज सेवी सुन्दर लाल जोशी को दिल्ली के सौक्रेट्स यूनिवर्सिटी द्वारा 'कर्म श्री' अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। साथ ही इनके साहित्यिक और उच्च स्तरीय सामाजिक योगदान के लिए इन्हें ऑनरेरी डॉक्टरेट 2026 भी प्रदान की गई।

यह उपाधि इन्हें अपने जीवन में नैतिक उच्चादर्शों को प्राथमिकता देने, शैक्षिक क्षेत्र में किए गए नवाचारों, आम समाज की निःशुल्क एवं निःस्वार्थ सेवा करने, दिव्यांगों की जीवनशैली के उन्नयन और विभिन्न विद्यालयों के लिए दर्जनों समाचार पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन करवाकर उन्हें निःशुल्क वितरण करने पुस्तकों के प्रकाशन करने, गो संरक्षण, गो संवर्द्धन एवं गो विकास के लिए विगत 30 वर्षों से कार्य करने, अंगदान प्रेरक के रूप में कार्य करने, भ्रूण हत्या रोकने, सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार करने, गढ़वाली भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची

में स्थान प्रदान करवाने के प्रयासों और विगत 50 वर्षों से पर्यावरण हित चिंतन की दिशा में सामाजिक सेवाएं देने के लिए प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा दिव्यांगों के उत्थान की दिशा में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक सक्रिय सदस्य के रूप में भी इन के द्वारा निरंतर लोक कल्याण के कार्य किए जा रहे हैं।

15 को करेंगे प्रदर्शन ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर देवप्रयाग के पास स्थित भ्वींट गांव के मुरारीनगर में संचालित शराब की दुकान को हटाने की मांग फिर जोर पकड़ने लगी है। जिला पंचायत सदस्य (गोर्तिकाण्डा) पुष्पा रावत और क्षेत्र पंचायत सदस्य (टोल) सीताराम रणाकोटी ने इस संबंध में आंदोलन का ऐलान किया।

अभिभावकों से की वैक्सीन लगाने की अपील

श्रीनगर गढ़वाल : विकास खंड कीर्तिनगर में चल रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत दूरदराज गांवों से किशोरियां टीका लगवाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कीर्तिनगर पहुंच रही हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से एएनएम, सीएचओ और आशा कार्यकर्ताओं की ओर से गांव स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सीएचसी कीर्तिनगर के प्रभारी डॉ. आकाश दीप ने बताया कि मंगलवार को छः किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। अभियान के पहले दिन दो किशोरियों को टीका लगाया गया था। उन्होंने बताया कि 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) से बचाव के लिए यह विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस आयु में दी गई वैक्सीन सबसे अधिक प्रभावी मानी जाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होती है। अभियान के तहत 'गार्डासिल-4' वैक्सीन का उपयोग किया जा रहा है, जो करीब 10 वर्षों तक एचपीवी संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करेगी। मगर कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं। आकाश दीप ने अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी बेटियों को वैक्सीन अवश्य लगवाएं। (एजेंसी)

ग्रामीणों का आंदोलन स्थगित, एनआईटी का निर्माण शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : एनआईटी में चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन 15 दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। मंगलवार को तहसीलदार श्रीनगर दीपक भंडारी की मध्यस्थता में निर्माणदायी कंपनी के अधिकारियों के साथ आंदोलनकारियों की वार्ता हुई। मांगों पर आंदोलनकारियों को सकारात्मक आश्वासन मिला। वार्ता के बाद एनआईटी के स्थायी परिसर का निर्माण पूर्व की तरह शुरू हो गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि मांगों पर 15 दिनों में ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। एनआईटी स्थायी परिसर निर्माण स्थल पर ग्रामीण मंगलवार को 10वें दिन भी डटे रहे। इसके बाद प्रशासन, कंपनी और ग्रामीणों की वार्ता हुई। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे डॉ. सुधीर जोशी समेत कई ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों में स्थानीय ग्रामीणों को ही रोजगार देने, स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने, पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप सेप्टिक टैंक प्लांट बनाने, गौचर भूमि से डंपिंग जोन को हटाने तथा भविष्य में अवैध डंपिंग पर कार्यदायी संस्था पर कठोर कार्रवाई करने, एनआईटी सुमाड़ी मुख्य मार्ग पर सुधारीकरण कार्य कराए जाने, प्रभावित गांवों में संपर्क मार्गों की स्थिति सुधारने व सोलर लाइट लगाए जाने आदि मांगें उठाईं। उन्होंने कहा कि इस पर कंपनी के अधिकारियों की ओर से सकारात्मक आश्वासन मिला है। यदि 15 दिनों में इन मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो पुनः आंदोलन और कार्यबहिष्कार करेंगे। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरजीत सिंह बिष्ट, प्रधान अभिनय धनाई, अंजु, मनीष रावत और जितेंद्र धनाई आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

स्वर्गीय दिवाकर भट्ट का संघर्षशील व्यक्तित्व उत्तराखंड की जनराजनीति की पहचान: मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विधानसभा में देवप्रयाग के पूर्व विधायक स्वर्गीय दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका संघर्षशील व्यक्तित्व और निर्भीक नेतृत्व उत्तराखंड की जनराजनीति की सशक्त पहचान रहा है। उन्होंने कहा कि साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद दिवाकर भट्ट जी ने अपने विचारों, संघर्ष और नेतृत्व से प्रदेश की राजनीति में विशिष्ट स्थान बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की राजनीति में उन्हें ह्लफील्ड मार्शलह्व के नाम से जाना जाता था, जो उनके दृढ़ और संघर्षशील नेतृत्व का परिचायक था। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय भट्ट जी का जीवन इस बात की प्रेरणा देता है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का

मार्ग भी है। मुख्यमंत्री ने उनके जीवनवृत्त का उल्लेख करते हुए कहा कि टिहरी जनपद के बडियारगढ़ क्षेत्र के सुपार गांव में वर्ष 1946 में जन्मे दिवाकर भट्ट जी ने कम उम्र में ही जन आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी थी। मात्र 19 वर्ष की आयु से ही वे जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनों में जुट गए थे। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कठिन दौर में उन्होंने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर आंदोलन को नई ऊर्जा और दिशा दी।उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 का श्रीयंत्र टापू आंदोलन और खैट पर्वत पर किया गया उनका अनशन राज्य आंदोलन के इतिहास में आज भी याद किया जाता है। ट्रेड यूनियन आंदोलन से अपनी पहचान बनाने वाले दिवाकर भट्ट ने बीएचईएल की नौकरी छोड़कर उत्तराखंड आंदोलन को मजबूत करने का निर्णय लिया और पहाड़ की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय भट्ट ने घेरा डालो–डेरा डालो जैसे प्रभावी नारों के माध्यम से जनआंदोलन को नई धार दी। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं, बल्कि जनदबाव की प्रभावी रणनीति बन गया, जिसने युवाओं और आम लोगों को आंदोलन से जोड़ने का काम किया।

डीएम ने गंगोत्री धाम पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

उत्तरकाशी। अप्रैल से शुरू होने जा रही चारधाम यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने मंगलवार को गंगोत्री धाम पहुंचकर अधिकारियों के साथ चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने धाम में स्नान घाट के सौंदर्यीकरण करने और नगर पंचायत के अंतर्गत चल रहे निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गंगोत्री सीवरेज प्लांट में किचन और बाथरूम का पानी समाहित नहीं होने देने के लिए नगर पंचायत और जल संस्थान को संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर में समुचित प्रकाश व्यवस्था के लिए सोलर प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश उरेडा को दिए। निरीक्षण से पूर्व जिलाधिकारी ने गंगोत्री धाम में मंदिर समिति के पदाधिकारियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने गंगोत्री हाईवे पर चिह्नित भूस्खलन जोन व यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले प्रमुख पड़ावों, पार्किंग स्थलों और संवेदनशील स्थानों की समीक्षा की। धराली में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।प्रभावित परिवारों की ओर से रखी गई मांगों पर उन्होंने हर संभव निस्तारण करने का भरोसा दिलाया। प्रतिकर से जुड़े मामलों के निस्तारण को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिलाधिकारी ने बीआरओ को धराली में सड़क मार्ग पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने को कहा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई-टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन 16:00 बजे तक खोल दिये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	319-DRM-MB-25-26 09.03.2026
कार्य का नाम	Common user traffic facility at Pathri in c/w CONCOR GCT.
निविदा का प्रकार	Works
निविदा की कीमत	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	99,34,125.60
धरोहर राशि (रु.)	1,99,700.00
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	02.04.2026, 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	19.03.2026
ऑफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 10.03.2026 805/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	320-DRM-MB-25-26 Date 09.03.2026
कार्य का नाम	Provision of ballast siding at MSTH on BLM-SPC section under jurisdiction of ADEN/MHRI
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	02.04.2026 16:00
अनुमानित लागत	1,31,65,712.33
धरोहर राशि	2,15,800.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	19.03.2026
ऑफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 09.03.2026 796/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बड़कोट में बिजली कर्मियों ने किया कार्यबहिष्कार

उत्तरकाशी। उत्तराखंड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने बड़कोट में बिजली संशोधन बिल 2025 के विरोध में कार्यबहिष्कार कर विरोध जताया। वहीं, जनपद मुख्यालय में कर्मचारियों ने बैठक कर जल्द ही मांगों निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कहा कि सरकार की ओर से विद्युत संशोधन बिल 2025 का ड्राफ्ट तैयार किया है।

मंगलवार को ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन और विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर कर्मचारियों ने 19 सूत्री मांगों को लेकर बड़कोट में कार्यबहिष्कार किया। साथ ही केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही केंद्र सरकार से विद्युत अमेंडमेंट बिल 2025 को वापस लेने की मांग की। इस मौके पर अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा से यमुना घाटी के संयोजक अजय सेमवाल, अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मराठा, सचिव संतोष शाह, कार्यवाहक अध्यक्ष विपिन रावत, उपाध्यक्ष जगत नेगी, मोहन विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं, जिला मुख्यालय में तिलोथ पावर हाउस के गेट पर संगठन के महेश पाल सिंह और रमेश चंद्र नौटियाल के नेतृत्व में बैठक कर जल्द ही केंद्र सरकार के 19 सूत्री मांगों का निस्तारण करने की मांग की।

इस मौके पर आशीष परमार, नीरज बद्री, विवेक धानिक, अंकित तोमर, सुनील भंडारी, कुलदीप पंवार, रामनरेश उनियाल आदि मौजूद रहे।

चार दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंचा उड़ीसा का मीडिया प्रतिनिधिमंडल

देहरादून। मंगलवार को भुवनेश्वर, उड़ीसा से पत्रकारों का एक दल उत्तराखंड में चार दिवसीय दौरे पर पहुंचा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो भुवनेश्वर की तरफ से यह प्रेस टूर आयोजित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य सरकारों के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, राज्य की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराकर बेहतर अनुभव प्रदान करना है।प्रेस सूचना ब्यूरो भुवनेश्वर के सहायक निदेशक महेंद्र जेना और सूचना सहायक विकास रंजम दलाई के साथ उड़ीसा के विभिन्न अनुभवी पत्रकारों का दल अगले चार दिन केंद्र सरकार के महत्वकांक्षी विकास परियोजनाओं का स्थल भ्रमण करेगा।चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान उड़ीसा का यह मीडिया प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड के राज्यपाल , लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से भेंट करेगा। साथ ही शौर्य स्थल, वन अनुसंधान संस्थान, टिहरी जलविद्युत

परियोजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना समेत दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का दौरा करेगा।इस दौरान उड़ीसा के पत्रकारों का दल विभिन्न अधिकारियों से भेंट करेगा और प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करेगी।उड़ीसा के मीडिया प्रतिनिधियों की यह यात्रा उन्हें उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला एवं परंपराओं का अनुभव करने और समझने का अवसर भी प्रदान करेगी।इस यात्रा के माध्यम से पत्रकार राज्य में भारत सरकार के विभिन्न विकासात्मक प्रोजेक्ट्स और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एकत्र करेंगे तथा इसे अपनी–अपनी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए व्यापक जनता तक प्रसारित करेंगे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आईडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत उपभोक्ता सेवा/स्मार्ट मीटर सम्बंधित सूचना/शिकायत/ राजस्व वसूली शिविर/सूचना माह-मार्च, 2026

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत सभी सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित स्थानों पर विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में स्मार्ट मीटर से सम्बन्धित सूचना/शिकायतों, विद्युत बिलों का भुगतान, त्रुटिपूर्ण विद्युत बीजकों में संशोधन, नये विद्युत संयोजन निर्गत करना/वर्तमान विद्युत संयोजनों के विद्युत भार वृद्धि, खराब विद्युत मीटर बदलने, इत्यादि समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। जिसमें सम्बन्धित क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारी/अवर अभियन्ता एवं क्षेत्रीय कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे।

क्र० सं०	उपखण्ड अधिकारी का नाम व मोबाईल नं०	दिनांक	समय	शिविर का स्थान	अवर अभियंता का नाम व मोबाईल नं०
	विद्युत वितरण उपखण्ड – स्यूँसी				
1	श्री नवीन कुमार (मो० नं०- 94120 81777)	23/03/2026	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	खिरेरीखाल	श्री कृष्णकान्त थपलियाल (मो० नं०- 94111 10016)
2		24/03/2026		शंकरपुर	
3		25/03/2026		हल्दूखाल	
4		26/03/2026		नैनीडांडा	
5		27/03/2026		धुमाकोट	श्री मनोज कुमार (मो० नं०- 73022 57308)
6		28/03/2026		बेदीखाल	
	विद्युत वितरण उपखण्ड– रिखणीखाल				
1	श्री नवीन कुमार (मो० नं०-94120 81777)	24/03/2026	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	कोटरीसैंण/द्वारी	श्री कुलदीप सिंह (मो० नं०- 94111 10015)
2		25/03/2026		ढकोलीखाल/किल्बोखाल	
3		27/03/2026		बसड़ा	
	विद्युत वितरण उपखण्ड– थलीसैंण				
1	श्री अभिषेक सिंह नेगी (मो० नं०- 73022 57309)	23/03/2026	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	बूंगीधार	श्री धर्मेन्द्र कुमार (मो० नं०-94111 10014)
2		24/03/2026		जगतपुरी	
3		25/03/2026		चाकीसैंण	
4		26/03/2026		पल्ली	

अतः इस खण्ड के अन्तर्गत समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं से आग्रह है कि उक्त शिविर में उपस्थित होकर अपने विद्युत बिलों का भुगतान करने एवं उपरोक्त वर्णित सुविधाओं का लाभ उठाने हेतु अवश्य आयें।

पत्रांक : 1279/विविख(नै0)/उपाकालि0/कैम्प

दिनांक : 10.03.2026

अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें

"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

खस्ताहाल हुई नैनबाग–पंतवाड़ी–थात सड़क .... धूप में धूल तो बारिश में कीचड़

नई टिहरी। पंतवाड़ी–थात सड़क का सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य न होने से पर्यटकों व स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क कच्ची होने से वहां आवाजाही करने पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों को धूप में धूल व बारिश के दिनों कीचड़ से जूझना पड़ता है। नैनबाग–पंतवाड़ी–थात सड़क 13 किलोमीटर का निर्माण वर्ष 2001–2002 में हुआ था। सड़क प्रसिद्ध पर्यटक स्थल नागटिब्बा के साथ बिनाऊ पवेत, टंटाड सहित कई गांवों को जोड़ती है। जौनपुर ब्लॉक प्रधान संगठन के अध्यक्ष प्रदीप कवि, सामाजिक कार्यकर्ता सोबन दास, पूर्व प्रधान गंभीर सिंह रावत का कहना कि नागटिब्बा पर्यटक स्थल हर वर्ष हजारों की संख्या में देश और विदेश से पर्यटक ट्रैकिंग के लिए आते हैं लेकिन सड़क के खस्ताहाल होने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों उठानी पड़ती है। नागटिब्बा पर्यटक स्थल में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटकों के रुकने के लिए स्थानीय लोगों ने अपनी भूमि पर जगह–जगह होमस्टे और टेंट कालोनी बनाई हैं। सड़क की स्थिति खराब होने के कारण लोगों को जरूरत का सामान पीठ और सिर पर रखकर ढोना पड़ता है। बताया ऊपरी क्षेत्र में पंतवाड़ी, बिनाऊ पवेत, टंटाड, कांडासारी सहित कई अन्य ग्रामीणों की छानियां, बगीचे और उपजाऊ खेत हैं,जहां पर ग्रामीण बागवानी और नकदी फसलों का उत्पादन करते हैं। फल और सब्जियों को बेचने के लिए विकासनगर ले जाते हैं। बरसात में सड़क बाधित होने के दौरान ग्रामीणों को अपने उत्पादों को मुख्य सड़क तक पहुंचाने के लिए खोड़े–खच्चरों का सहारा लेना पड़ता है। सड़क संकरी और साथ खस्ताहाल बनी होने के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जान जोखिम में सफर करना पड़ता है। स्थानीय लोगों कई वर्षों से सड़क सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग करते आ रहे है लेकिन विभागीय अधिकारी सड़क के सुधारीकरण के लिए बजट न होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ देते हैं।

व्यापार मंडल और नागरिक मंच ने बांध प्रभावितों के धरने को दिया समर्थन

नई टिहरी। बांध विस्थापित और प्रभावितों को निशुल्क बिजली–पानी देने की मांग को लेकर चल रहे धरने को उद्योग व्यापार मंडल घनसाली और वरिष्ठ नागरिक मंच चमियाला के लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया। बौराड़ी के गणेश चौक में सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी की अगुवाई में संचालित बांध विस्थापित और प्रभावितों का धरना 11वें दिन भी जारी रहा। घनसाली व्यापार मंडल अध्यक्ष स्नेह कैलाश बडोनी ने कहा कि बांध के कारण टिहरी शहर के साथ सैकड़ों गांव बांध की झील में डूबे हैं। भिलंगना क्षेत्र का बड़ा हिस्सा बांध के कारण प्रभावित हुआ। बांध के कारण घनसाली क्षेत्र की दूरी और बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बांध विस्थापितों के साथ प्रभावित क्षेत्र के लोगों को निशुल्क बिजली पानी दिया जाना चाहिए, यह उनका अधिकार है।

मोरी में वनाग्नि रोकथाम पर प्रशिक्षण व मॉक अभ्यास

उत्तरकाशी। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से टौंस वन प्रभाग व गोविंद वन्यजीव विहार की ओर से वनाग्नि रोकथाम को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला व मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मास्टर ट्रेनर मस्तान भंडारी ने आपदा प्रबंधन, खोज एवं बचाव उपकरणों के उपयोग, सैटेलाइट फोन की कार्य प्रणाली, राज्य व जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र तथा 108 व 112 जैसे आपातकालीन नंबरों की जानकारी दी। एसडीआरएफ टीम के पंकज घिल्डियाल ने वनाग्नि के दौरान घायलों के रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की प्रक्रिया समझाई। फायर आरक्षी नरेश सेमवाल ने वनाग्नि व घरेलू आग की घटनाओं से निपटने व वन संपदा को सुरक्षित रखने के लिए उपयोगी उपकरणों के प्रयोग के बारे में बताया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन नेगी ने वनाग्नि में घायल व्यक्तियों को दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। टौंस वन प्रभाग के एसडीओ विकास रावत ने बताया कि कार्यशाला में वन प्रभाग सीगतूर, सांद्रा, देवता, कोटिगाड़ रेंज, गोविंद वन्यजीव विहार राष्ट्रीय पार्क के रुपिन व सुपिन क्षेत्र, सांकरी रेंज तथा वन निगम के कर्मियों सहित अन्य विभागों के करीब 80 अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

छात्र–छात्राओं को मिलेगा स्मार्ट क्लास का लाभ

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के नेताला गांव के राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं को स्मार्ट क्लास की सुविधा मिलेगी। ग्राम पंचायत की मांग पर एक संस्था की ओर से छह स्मार्ट कक्षाओं सहित दस कंप्यूटर की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। साथ ही विद्युत आपूर्ति के लिए सोलर प्लांट लगाकर पूरे विद्यालय को सोलर बिजली से जोड़ा गया है। नेताला गांव के ग्राम प्रधान राकेश सेमवाल ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज नेताला में करीब 150 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं लेकिन वहां पर उनको तकनीकी शिक्षा और स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इसके लिए ग्राम पंचायत की ओर से माउंट वैली डेवलपमेंट एसोसिएशन से संपर्क किया गया। उनके अनुरोध पर संस्था की ओर से विद्यालय में छह स्मार्ट क्लास सहित कंप्यूटर की सुविधा उपलब्ध करवाया गया। साथ ही वहां पर 50 फर्नीचर के साथ ही एक आरओ दिया गया। संस्था की ओर से गांव में पथ प्रकाश के लिए 18 सोलर लाइट भी उपलब्ध करवाई गई है।

वन्य जीवों से नुकसान पर मुआवजे का दायरा बढ़ा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : वन्य जीवों से होने वाले कई तरह के नुकसान पर अभी तक मुआवजे की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन धामी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेकर लोगों को राहत प्रदान की है। राहत देने के लिए सरकार के प्रयास अभी थमे नहीं हैं। अब धामी सरकार भालुओं से किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान को भी मुआवजे के दायरे में लाने की कोशिश में जुटी है। भालुओं से मकान-भवनों को होने वाले नुकसान पर धामी सरकार पहले ही मुआवजे की व्यवस्था कर चुकी है। धामी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में वन्य जीवों से लोगों के नुकसान पर मुआवजे को लेकर गंभीरता दिखाई है। वन्य जीवों के हमले से मौत पर मिलने वाले मुआवजे को छः लाख करना बेहद अहम फैसला रहा है। पहले ऐसे मामलों में चार लाख मुआवजा दिया जा रहा था। इसी तरह, ततैया, मधुमक्खी के हमले में भी मुआवजे की सरकार ने व्यवस्था की है। बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि भालुओं के व्यवहार में आए परिवर्तन और इससे हो रहे नुकसान पर भी सरकार की निगाह है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com